पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

देश का किसान देश की दौलत है - राज्यपाल

लखनऊ: 03 दिसम्बर, 2014

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल, श्री राम नाईक ने कहा कि देश का किसान देश की दौलत है। इस दौलत को अधिक ज्ञान और सुविधा देने की जरूरत है। ज्ञान एवं विज्ञान से देश की ताकत बढ़ सकती है। जितना ज्ञान बढेगा उतना ही देश प्रगति करेगा। आधुनिक खेती की तकनीक और विज्ञान के उपयोग से कृषि उत्पाद की गुणवत्ता में वृद्धि हो सकती है। उन्होंने कहा कि कृषि विश्वविद्यालय, किसान, अद्यतन तकनीक व शोध के परस्पर सहयोग से किसानों का उत्पादन बढ़ेगा, तो वहीं सहकारिता के आधार पर खेती से किसान को भी अच्छा लाभ मिलेगा।

राज्यपाल आज जिला बाराबंकी के दौलतपुर गांव में कृषक तकनीकी हस्तान्तरण सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। सम्मेलन में आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्यागिकी विश्वविद्यालय फैजाबाद के कुलपति प्रो0 अख्तर हसीब, निदेशक, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण, श्री एस0पी0 जोशी सहित गुजरात, पंजाब, हरियाणा, कर्नाटक, बिहार व प्रदेश के अन्य जनपदों से आये किसान भी उपस्थित थे। इस अवसर पर राज्यपाल ने उच्च तकनीकी परामर्श केन्द्र 'किसान सदन' का उद्घाटन भी किया।

श्री नाईक ने कहा कि उन्नत खेती के लिये कृषि योग्य भूमि की गुणवत्ता, उन्नतशील बीज, उर्वरक का सही चयन आवश्यक है, जिससे खेत उपजाऊ बने रहे तथा सिंचाई के उपयुक्त साधन का प्रयोग करें। उन्होंने कहा कि किसान प्राकृतिक संसाधन का उपयोग योग्य पद्धति से एक सीमा तक करें, जिससे प्रकृति का अनुचित दोहन न हो। उन्होंने कहा कि पहले खेती को जीविकोपार्जन में प्रथम स्थान, व्यवसाय को दूसरा तथा नौकरी को तीसरा स्थान था, मगर आज खेती पिछड़ गई है और हमारे युवा नौकरी करना चाहते हैं।

राज्यपाल ने कहा कि यह किसानों का पराक्रम है कि देश आज अन्न उत्पादन में सक्षम है। सन् 1950 में आबादी 36 करोड़ थी तब भी हम बाहर से खाद्यान्न आयात करते थे और आज हमारे देश की आबादी लगभग 127 करोड़ है मगर हम विदेशों में अपने उत्पाद निर्यात करने की स्थिति में हैं। उन्होंने कहा कि अन्न उत्पादन बढ़ाने के लिये पूर्व प्रधानमंत्री, स्व0 श्री लाल बहादुर शास्त्री ने 'जय जवान जय किसान' का नारा दिया और पूर्व प्रधानमंत्री, श्री अटल बिहारी ने उसमें 'जय विज्ञान' जोड़कर नया आयाम दिया। उन्होंने कहा कि प्रदेश एवं देश के लोगों को पता चलना चाहिए कि प्रदेश मंे उन्नत खेती हो रही है, जिससे अन्य जगह के किसान भी प्रेरित हों।

सम्मेलन में आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्यागिकी विश्वविद्यालय फैजाबाद के कुलपति प्रो0 अख्तर हसीब ने कहा ने कहा कि कृषि जोत का आकार कम हो रहा है ऐसे में फसल चक्र को अपनाने से बेहतर खेती होगी। कृषि विकास के लिए जरूरी है कि देश में शिक्षा, शोध एवं प्रसार को अपनाना होगा।

उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण के निदेशक श्री एस0पी0 जोशी ने कहा कि देश में लगभग 90 प्रतिशत लघु एवं सीमान्त कृषक हैं और इन किसान भाइयों को बागवानी की फसलों के लिए फसल चक्र को अपनाते हुए जैविक खादों की छोटी एवं मझौनी इकाइयां लगाकर खेती की उर्वरक आवश्यकताओं की पूर्ति करनी होगी।

गुजरात के प्रगतिशील किसान केतन पटेल ने केले की फसल से भरपूर लाभ लेने के लिए अपनाई गई तकनीक को बताते हुए कहा कि केले के पौध का कोई भी अंश बेकार नही जाता है।

सम्मेलन का संचालन इफको लखनऊ के जोनल मैनेजर योगेन्द्र कुमार ने किया।

त बागवानी विकास मिशन योजनान्तर्गत राज्य स्तरीय

किसान सदन